

14. वृक्ष : हमारे जीवन के आधार

क्या आपने कभी कल्पना की है कि यदि धरती पर वृक्ष न हों, तो क्या होगा? ऐसी कल्पना करना भी असंभव लगता है। वृक्ष हमारे जीवन के आधार हैं। वृक्ष हमें प्राणवायु देते हैं, जिसके बिना किसी भी प्राणी का जीवित रहना असंभव है। इन्हीं से हमें फल, सब्जी, लकड़ी, कपड़े, दवाइयाँ आदि मिलते हैं। प्राचीन काल में वृक्षों को देवता के रूप में पूजा जाता था। आज भी पीपल, केला, तुलसी आदि वृक्षों की पूजा की जाती है। वृक्ष न केवल हमें भोजन, कपड़ा, ऑक्सीजन आदि देते हैं, बल्कि वर्षा लाने में भी सहायक होते हैं। जिन क्षेत्रों में वृक्ष नहीं होते या कम होते हैं, वहाँ वर्षा भी नहीं के बराबर होती है। इसके विपरीत जहाँ वृक्ष अधिक होते हैं, वहाँ वर्षा भी अधिक होती है। वृक्षों की हरियाली हमारे तन-मन को शांति प्रदान करती है। गरमी के मौसम में कड़ी धूप में ये हमें छाया प्रदान करते हैं। ये गंदी वायु लेकर हमें स्वच्छ वायु देते हैं। इससे प्रदूषण की मात्रा में भी कमी आती है। वृक्ष निस्वार्थ रूप से सभी को अपना सर्वस्व दे देते हैं। हमें भी वृक्षों का उतना ही ध्यान रखना चाहिए, जितना कि वे हमारा रखते हैं। हरे वृक्षों को काटना नहीं चाहिए, बल्कि अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाने चाहिए।

5. कंप्यूटर

विज्ञान के नित्य नए-नए आविष्कारों ने दुनिया को बदलकर रख दिया है। विज्ञान के इन नवीन आविष्कारों में कंप्यूटर का नाम आज सबकी जबान पर है। विश्व के सभी देशों में कंप्यूटर का प्रचार-प्रसार बहुत तेज़ी से हुआ है। स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में कंप्यूटर को एक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है। कंप्यूटर यांत्रिक मस्तिष्कों का एक रूपात्मक, मिश्रित तथा गुणात्मक योग है जो तीव्रतम गति से अत्यल्प समय में त्रुटिरहित गणना करने में सक्षम होता है। आजकल कंप्यूटर का प्रयोग चिकित्सा, विमान संचालन, बैंक, अंतरिक्ष कार्यक्रम, युद्ध तकनीक जैसे अनगिनत क्षेत्रों में किया जाता है। दूरसंचार की दृष्टि से कंप्यूटर महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। इस प्रकार मनुष्य के जीवन को सुविधापूर्ण बनाने के लिए कंप्यूटर में अनंत संभावनाएँ विद्यमान हैं।

6. खेल-कूद

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास संभव है और शरीर को स्वस्थ तथा हृष्ट-पुष्ट बनाने के लिए खेल अनिवार्य है। यदि ठीक से विचार करें तो पता चलेगा कि सब प्रकार के विकास के लिए शारीरिक शक्ति का विकास अनिवार्य है। मन एवं आत्मा का निवास-स्थान शरीर ही है। शारीरिक स्वास्थ्य पर ही मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य निर्भर करता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए खेल-कूद अनिवार्य है। खेल और व्यायाम दोनों का हमारे जीवन के साथ घनिष्ठ संबंध है। यही नहीं, जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए खेलों के महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता। खेलों से फुर्ती आती है। कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। पाचन-शक्ति बढ़ती है तथा शरीर के प्रत्येक अंग यथोचित रूप से दृढ़ हो जाते हैं। जो लोग खेल की महत्ता को जानते हैं तथा नियमपूर्वक खेलते हैं, वे पुरुषार्थी होते हैं। खेल-कूद से मनुष्य में पूरी तन्मयता से कार्य करने की लगन जागृत होती है। चोट लगने पर खिलाड़ी बदला लेने की बजाय उस कष्ट को सहन करता है। खिलाड़ी जब खेल के मैदान में उतरता है तो उसके मन में जातीयता, प्रांतीयता, धर्म एवं उसके भाषा के नाम पर भेदभाव नहीं होता।